|  |
| --- |
| 26. Februar 2023 |
| **01. Fastensonntag A** |
| Erste Lesung: Gen 2, 7-9; 3, 1-7; Zweite Lesung: Röm 5, 12-19 oder Röm 5, 12. 17-19; Evangelium: Mt 4, 1-11 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 272 | Zeige, uns, Herr |
|  | GL 277, 1-3 | Aus tiefer Not |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 4 | Herr Jesus |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 51 (50), 3-6b. 12-14 u. 17 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 639, 1 | Erbarme dich meiner |
|  | oder Psalmlied: |  |
|  | GL 268, 1+3+4 | Erbarme dich, erbarme dich |
|  |  |
| Ruf vor dem Evangelium: | GL 584, 9 oder GL 560, 1 oder GL 644, 6 |
|  | Vers: |  |
|  | *Nicht nur vom Brot lebt der Mensch,* |
|  | *sondern von jedem Wort aus Gottes Mund.* |
|  |  |  |
| Credo: | 180, 1+2 | Credo in unum Deum |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 766, 1-3 | Komm, Heil‘ger Geist |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 194 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 421, 2+3 | Du wirst zur rechten Zeit |
|  | GL 747 | Gottes Lamm |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 381, 4+5 | Behüt mich |
|  | GL 423, 1+2! | Wer unterm Schutz |
|  | GL 436, 1!-4 | Ach bleib mit deiner Gnade |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 453, 1!-4 | Bewahre uns Gott |
|  | GL 786, 1+2 | Zieh an die Macht |
|  |  |  |